राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020
M.A. Hindi

Structure 1 (Level 6.5) : PG Curricular Structure with only course work/Structure 2 (Level 6.5): PG Curricular Structure with Course work + Research

Semester II (For One Year PG) / Semester IV (For Two Year PG)

No.	Paper Type	Paper Name	Page No.
1	DSC9	**1.** हिंदी नाटक एवं कथेतर गद्य साहित्य	
2	DSC10	**2.** पाश्चात्य काव्यशास्त्र	
3	Pool ofDSE	**1.** आधुनिक संदर्भ और हिंदी उपन्यास	
		2. सन् साठ के बाद की हिंदी कविता	
		3. भूमंडलीकरण और हिंदी कथा साहित्य	
		4. हिंदी दलित साहित्य	
		5. जनजातीय विषयक हिंदी साहित्य	
		6. आधुनिक विश्व साहित्य (अनुदित)	
4	Pool of GE (Any one)	**1.** प्रकृति, पर्यावरण और आधुनिक हिंदी कविता	
		2. सोशल मीडिया और हिंदी	
5	Pool of SBC (Any one)	**1.** हिंदी सिनेमा में गीत लेखन	
		2. हिंदी का यात्रा साहित्य : वृत्त और वृतांत	

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020

एम. ए. (हिंदी)

Semester II (For One Year PG)

Semester IV (For Two Year PG)

DSC9 हिंदी नाटक एवं कथेतर गद्य साहित्य

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (if any)	Content of Course and reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical / Practice		
DSC9 हिंदी नाटक एवं कथेतर गद्य साहित्य	4	3	1	—	स्नातक उत्तीर्ण	Annexure

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

1. विद्यार्थियों को हिंदी नाटक और एकांकी का पाठ बोध कराना।
2. कथेतर गद्य की महत्वपूर्ण विधाओं का निर्धारित पाठों के माध्यम से परिचय कराना।
3. नाटक एवं कथेतर साहित्य की विषयवस्तु, शिल्प और संरचना के स्तर पर विविधता से अवगत कराना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

1. विद्यार्थी हिंदी नाटक और एकांकी साहित्य की परंपरा से परिचितत होंगे।
2. हिंदी की कथेतर गद्य-विधाओं के निर्धारित पाठों के माध्यम से भारतीय संस्कृति, सभ्यता और समाज के विविध पक्षों का ज्ञान प्राप्त करेंगे।
3. नाटक एवं कथेतर गद्य की अन्य विधाओं के विभिन्न स्तरों पर अवगत होंगे।

इकाई –1 : नाटक और एकांकी (13 घंटे)

- अंधेर नगरी (नाटक) –भारतेंदु हरिश्चंद्र
- रक्त अभिषेक (नाटक) – दया प्रकाश सिन्हा
- पृथ्वीराज की आंखें(एकांकी) –रामकुमार वर्मा
- तौलिए (एकांकी) –उपेंद्रनाथ अश्क

इकाई –2: निबंध (12 घंटे)

- काव्य में लोकमंगल की साधनावस्था – रामचंद्र शुक्ल
- भारतीय संस्कृति की देन – हजारीप्रसाद द्विवेदी
- तुम चंदन हम पानी – विद्यानिवास मिश्र
- सौंदर्यबोध और शिवत्वबोध – अज्ञेय

इकाई – 3 : जीवनी और आत्मकथा (10 घंटे)

- प्रेमचंद घर में (जीवनी) –शिवरानी देवी
- मिला तेज से तेज (जीवनी) – सुधा चौहान
- दोहरा अभिशाप (आत्मकथा)–कौशल्या वैसंत्री
- राम कहानी सीताराम (आत्मकथा) – सीताराम सूबेदार

इकाई – 4 : रेखाचित्र, संस्मरण, यात्रा-वृतांतऔर अन्य विधाएं (10 घंटे)

- माटी की मूरतें (रेखाचित्र) – रामवृक्ष बेनीपुरी
- वे दिन वे लोग (संस्मरण) – शिवपूजन सहाय
- अरुणोदय की धरती पर (यात्रा वृतांत) –सांवरमल सांगनेरिया
- ऋणजल-धनजल (रिपोतर्ज) – रेणु

व्यावहारिक कार्य :

- पाठ्यक्रम से संबंधित पाठों पर विद्यार्थियों के बीच सामूहिक चर्चा आयोजित करना ।
- इस पाठ्यक्रम की पाठ्य सामग्री से संबंधित आलोचनात्मक पुस्तकों एवं रचनाओं की समीक्षा करना ।
- हिंदी की बोलियों के साथ हिंदीतर भाषाओं में पाठ्यक्रम से संबंधित पाठों के अंशों का अनुवाद करना ।
- इस पाठ्यक्रम से संबंधित अन्य रचनाओं की सूची तैयार करके उनका सार लेना ।
- शिक्षक द्वारा दिया गया परियोजना अथवा अन्य कोई कार्य ।

संदर्भ ग्रंथ सूची :

- सिंह, बच्चन. *हिंदी नाटक* ,राधाकृष्ण प्रकाशन, संस्करण, दिल्ली 2008
- रस्तोगी, गिरीश. *हिंदी नाटक का आत्मसंघर्ष,* लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज, 2002
- कुमार, सिद्धनाथ. *हिंदी एकांकी*, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली 2022
- माचवे, प्रभाकर. *हिंदी निबंध,* राजकमल प्रकाशन, दिल्ली 1955
- तिवारी, रामचंद्र. *हिंदी का गद्य साहित्य,* विश्वविद्यालय प्रकाशन, गोरखपुर, 2014
- उपाध्याय, मधुकर (सं.).रामकहानी सीताराम, वाणी प्रकाशन, दिल्ली 2024
- सांगनेरिया, सांवरमल. *अरुणोदय की धरती पर*, हेरिटेज फाउंडेशन, असम (गुवाहाटी), 2024

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020

एम. ए. (हिंदी)

Semester II (For One Year PG)
Semester IV (For Two Year PG)
DSC-10 पाश्चात्य काव्यशास्त्र

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (if any)	Content of Course and reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical / Practice		
DSC- 10 **पाश्चात्य काव्यशास्त्र**	4	3	1	—	स्नातक उत्तीर्ण	Annexure

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives

पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धांतों से विद्यार्थियों को परिचित कराना।

पाश्चात्य काव्यशास्त्रियों के चिंतन से अवगत कराना।

पाश्चात्य वादों का भारतीय साहित्य पर प्रभाव दिखाना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes)

विभिन्न सिद्धांतों से परिचित हो सकेंगे।

विभिन्न चिंतन के आयामों से सुपरिचित हो सकेंगे।

इकाई – 1 : पाश्चात्य काव्यशस्त्र:प्राचीन काव्य **(13 घंटे)**

- प्लेटो : काव्य सिद्धांत
- अरस्तू : अनुकरण और विरेचन सिद्धांत, त्रासदी विवेचन
- लोंजाइनस : उदात्त संबंधी विचार
- विलियम वड्र्सवर्थ : काव्य-विषय और काव्यभाषा

इकाई – 2 : स्वच्छंदता और आधुनिकता **(13 घंटे)**

- कॉलरिज : कविता और काव्य-भाषा, कल्पना-सिद्धांत
- जॉर्ज लूकाच : यथार्थ और साहित्य का संबंध, आलोचनात्मक यथार्थवाद

- मैथ्यू आर्नल्ड : कविता और जीवन, आलोचना और संस्कृति
- टी.एस. इलियट : परंपरा और वैयक्तिक प्रतिभा का संबंध, निर्वैयक्तिकता का सिद्धांत, वस्तुनिष्ठ सह-संबंध

इकाई – 3 : प्रमुख चिंतक और चिंतन (10 घंटे)

- अंतोनियो ग्राम्शी : आधार और अधिरचना का संबंध, वर्चस्व का सिद्धांत
- आई.ए. रिचर्ड्स : मूल्य, संप्रेषण तथा व्यावहारिक समीक्षा-सिद्धांत
- एफ.आर. लीविस : साहित्य और नैतिक बोध
- फ्रेडरिक जेम्सन : राजनीतिक अचेतन, राष्ट्रीय रूपक में तीसरी दुनिया के उपन्यास

इकाई – 4 : प्रमुख साहित्यिक सिद्धांत (10 घंटे)

- शास्त्रवाद, स्वच्छंदतावाद, संरचनावाद, उत्तर-संरचनावाद, उत्तर-आधुनिकता, उत्तर-उपनिवेशवाद

व्यावहारिक कार्य :

- समूह चर्चा करना
- इस पत्र की पाठ्य सामग्री से संबंधित पुस्तकों / रचनाओं की समीक्षा करना
- हिंदी की बोलियों तथा हिंदीतर भाषाओं में पत्र से संबंधित पाठों की रचनाओं का अनुवाद
- इस पत्र से संबंधित रचनाओं की सूची तैयार करना तथा उनका सार लेखन
- शिक्षक द्वारा दिया गया परियोजना कार्य या अन्य कार्य

सहायक पुस्तकें :

1. शर्मा, देवेन्द्रनाथ. *पाश्चात्य काव्यशास्त्र*, मयूर बुक पब्लिकेशन, दिल्ली, 2018
2. डॉ. नगेन्द्र. *नई समीक्षा : नए संदर्भ,* वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 1970
3. जैन, निर्मला. *काव्य चिंतन की पश्चिमी परंपरा*, वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 2006
4. राजनाथ. *पाश्चात्य काव्यशास्त्र : नई प्रवृतियाँ*, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 2022
5. नारंग, गोपीचंद. *संरचनावाद, उत्तर-संरचनावाद एवं प्राच्यकाव्यशास्त्र*, साहित्य अकादमी, दिल्ली, 2014
6. पचौरी, सुधीश. *आलोचना से आगे,* राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 1982
7. शर्मा, कृष्णदत्त अनामिका. *कॉलरिज : आलोचना सिद्धांत*, पब्लिशर्स, दिल्ली, 2015
8. शर्मा, कृष्णदत्त. *टी.एस. इलियट की आलोचना दृष्टि*, मेधा पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली, 2019

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020

एम.ए.(हिंदी)

Semester II (For One Year PG)

Semester IV (For Two Year PG)

DSE1आधुनिक संदर्भ और हिंदी उपन्यास

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (if any)	Content of Course and reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical / Practice		
DSE 1 **आधुनिक संदर्भ और हिंदी उपन्यास**	4	3	1	—	स्नातक उत्तीर्ण	Annexure

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objectives)

- विद्यार्थियों को आधुनिकता के विविध संदर्भों का ज्ञान कराना।
- उपन्यास विधा की संरचना, चरित्र निर्मिति, संवाद का महत्वपूर्ण उपन्यासकारों के माध्यम से जानकारी प्रदान करना ।
- उपन्यास विधा की संरचना में निहित राष्ट्रवाद, भारतीयता, आधुनिकता को समझाना तथा उपन्यास के सामाजिक-सांस्कृतिक प्रभावों की समझ विकसित कराना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes)

- विद्यार्थी उपन्यास विधा की संरचना से परिचित होंगे।
- विद्यार्थी उपन्यास की विधागत वैचारिकी से परिचित होंगे।
- उपन्यास के संदर्भ से भारत और राष्ट्रीयता की चेतना को समझेंगे।

इकाई –1 : आधुनिकता के संदर्भ और उपन्यास विधा (13 घंटे)

1. आधुनिकता, आधुनिकतावाद और उपन्यास विधा का स्वरूप, विकास
2. उपन्यास और पाठक वर्ग
3. व्यावसायिक उपन्यास की अवधारणा और विधागत चरित्र
4. उपन्यास और राष्ट्र

इकाई –2 : हिंदी जनक्षेत्र का निर्माण और उपन्यास (12 घंटे)

1. हिंदी उपन्यास : संरचना और स्वरूप
2. प्रेमचंद के उपन्यासों की संरचना, चरित्र और संवाद शैली
3. यशपाल के उपन्यासों की संरचना, चरित्र और संवाद शैली
4. श्रीलाल शुक्ल के उपन्यासों की संरचना, चरित्र और संवाद शैली

इकाई –3 : लोकतंत्र और उपन्यास **(10 घंटे)**

- लोकतांत्रिक चेतना, मूल्य और उपन्यास
- भारतीय लोकतंत्र का विकास और हिंदी उपन्यास
- पाठ–1 : महाभोज (मन्नू भंडारी)
- पाठ–2 : कुरु–कुरु स्वाहा... (मनोहर श्याम जोशी)

इकाई –4 : जेंडर–अध्ययन और उपन्यास **(10 घंटे)**

- पहचान का संकट, अधिकार और उपन्यास
- जेंडर अध्ययन और हिंदी उपन्यास
- पाठ–1 : कठगुलाब (मृदुला गर्ग)
- पाठ–2 : छिन्नमस्ता (प्रभा खेतान)

व्यवहारिक कार्य :

- समूह चर्चा करना
- इस पत्र की पाठ्य सामग्री से संबधित अन्य पुस्तकों की समीक्षा करना ।
- हिंदी की बोलियों तथा हिंदीतर भाषाओं में पत्र से संबंधित पाठ-अंशों का अनुवाद करना।
- इस पत्र से संबंधित अन्य रचनाओं की सूची तैयार करना तथा उनका सार लेखन ।
- शिक्षक द्वारा दिया गया परियोजना कार्य या अन्य कार्य।

सहायक ग्रंथ :

1. फॉक्स, रैल्फ. *उपन्यास और लोक – जीवन*, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2015
2. राय, गोपाल. *उपन्यास का शिल्प*, बिहार हिन्दी ग्रन्थ अकादेमी, पटना, 1973
3. यादव, राजेंद्र. *उपन्यास : स्वरुप और संवेदना*, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2020

4. सिंह, नामवर (सं.). *आधुनिक हिंदी उपन्यास 1, 2*, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 2010
5. पाण्डेय, मैनेजर. *उपन्यास और लोकतंत्र*, वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 2023
6. मदान, इन्द्रनाथ. *आधुनिकता और हिन्दी उपन्यास*, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 2019
7. तिवारी, विनोद (सं.). *उपन्यास : कला और सिद्धान्त–1, 2*, अजय आनंद, अनन्य प्रकाशन, नई दिल्ली, 2016
8. Lukács, Georg. translated by Bostock, Anna. Bostock. *The Theory of the Novel*, The MIT Press, USA. 1988

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020
एम. ए.(हिंदी)
Semester II (For One Year PG)
Semester IV (For Two Year PG)
DSE 2 सन् साठ के बाद की हिंदी कविता

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (if any)	Content of Course and reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical / Practice		
DSE2 **सन् साठ के बाद की हिंदी कविता**	4	3	1	—		Annexure

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives)

- सन साठ के बाद की हिंदी कविता की प्रमुख प्रवृत्तियों और आंदोलनों से विद्यार्थियों को परिचित कराना।
- विद्यार्थियों को कविता में सामाजिक, राजनीतिक, स्त्री और दलित चेतना की जानकारी देना।
- विद्यार्थियों के भीतर कविता की भाषा, शिल्प और विचारधारा में हुए परिवर्तनों की समझ एवं समकालीन कविता को सांस्कृतिक और वैश्विक संदर्भों में परखने की दृष्टि विकसित करना।

पाठ्यक्रम प्रस्तावना (Course Introduction):

- सन साठ के बाद की हिंदी कविता की प्रमुख प्रवृतियों और आंदोलनों से विद्यार्थी परिचित होंगे।
- विद्यार्थी कविता में उपस्थित सामाजिक, राजनीतिक, स्त्री और दलित चेतना को समझ सकेंगे ।

- विद्यार्थी कविता की भाषा, शिल्प, विचारधारा एवं कविता के सांस्कृतिक और वैश्विक संदर्भों से परिचित हो सकेंगे।

इकाई – 1 : नई कविता का उद्भव और स्वरूप (1960–1970)

- छायावादोत्तर कविता की पृष्ठभूमि, नई कविता आंदोलन के उद्भव का सामाजिक-ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य
- नई कविता : भाषा, प्रतीक और बिंब की नवीनता
- मुख्य कवि एवं काव्य-पाठ:

1-अज्ञेय – अरी ओ करुणा प्रभामय, हरी घास पर क्षणभर

2-केदारनाथ अग्रवाल – धरती

3-शमशेर बहादुर सिंह – बात बोलेगी, घिर गया समय का रथ 'कुछ और कविताएँ' से

4-भवानी प्रसाद मिश्र – सतपुड़ा के जंगल

इकाई – 2 : सामाजिक यथार्थ और राजनीतिक चेतना (1970–1980)

- मोहभंग और आपातकाल
- समाज, सत्ता और व्यक्ति का संघर्ष, कविता में जन-सरोकार और विरोध की अभिव्यक्ति
- मुख्य कवि एवं काव्य-पाठ:

1-रघुवीरसहाय – सीधे-सादेप्रश्न, हँसो, हँसो जल्दी हँसो

2-सर्वेश्वरदयाल सक्सेना – काठ का सपना

3-कुँवरनारायण – आत्मजयी

4-धूमिल – संसद से सड़क तक (कविता)

इकाई – 3 : विमर्शधर्मी कविता – स्त्री, दलित और हाशिए की आवाज़ (1980–1990)

1- कविता में अस्मिता, अधिकार और प्रतिरोध

2- स्त्री-अनुभव और नारीवादी कविता, दलित और आदिवासी कविता का उभार

- मुख्य कवि एवं काव्य-पाठ:

1-अनामिका – ढूँढो तो दिल

2-कात्यायनी – औरत होने की सज़ा

3-ओमप्रकाश वाल्मीकि – बस, एक मुट्ठी भर ज़मीन

4- आलोक धन्वा - भागी हुई लड़कियाँ, मुलाकातें

इकाई – 4 : उत्तर-आधुनिकता, वैश्वीकरण और समकालीन कविता (1990 के बाद)

- उत्तर-आधुनिक समाज, संस्कृति और कविता
- वैश्वीकरण, मीडिया, उपभोक्तावाद, पर्यावरण, युद्ध, प्रवासन और कविता
- मुख्य कवि एवं काव्य-पाठ:

1-मंगलेश डबराल – हम जो देखते हैं

2-विजेन्द्र – समय की शिला पर

3-राजेश जोशी – बच्चे काम पर जा रहे हैं, चाँद की वर्तनी, कुछ और कविताएँ

4-अशोक वाजपेयी – हम अपना समय लिख नहीं पाएँगे, विदा गीत

व्यावहारिक कार्य :

- समूह चर्चा करना
- इस पत्र की पाठ्य सामग्री से संबधित पुस्तकों / रचनाओं की समीक्षा करना
- हिंदी की बोलियों तथा हिंदीतर भाषाओं में पत्र से संबंधित पाठों की रचनाओं का अनुवाद
- इस पत्र से संबंधित रचनाओं की सूची तैयार करना तथा उनका सार लेखन
- शिक्षक द्वारा दिया गया परियोजना कार्य या अन्य कार्य

संदर्भ ग्रंथ सूची(Suggested Readings):

- सिंह, नामवर. *कविता के नए प्रतिमान*, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली,1968
- राय, गोपाल. *हिंदी कविता का विकास*, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 2020
- वंशी, बलदेव. *आधुनिक हिंदी कविता में विचार*, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2002
- डॉ. नगेन्द्र.*आधुनिक हिंदी कविता की मुख्य प्रवत्तियां*, गौतम बुक डिपो, दिल्ली, 1951
- सिंह, सुधीर रंजन. *कविता की समझ*, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2018
- तिवारी, विश्वनाथ प्रसाद. *आधुनिक हिंदी कविता*, अभिजीत पब्लिकेशन्स, दिल्ली, 2010
- होता, अरूण. *आधुनिक हिंदी कविता : युगीन संदर्भ आलोचना*, ज्ञानभारती पब्लिकेशन्स प्रयाग, 2010
- नवल, नंद किशोर. *आधुनिक हिंदी कविता का इतिहास*, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली, 2023

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020
एम. ए.(हिंदी)
Semester II (For One Year PG)
Semester IV (For Two Year PG)
DSE 3 भूमंडलीकरण और हिंदी कथा साहित्य

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (if any)	Content of Course and reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical / Practice		
DSE3 भूमंडलीकरण और हिंदी कथा साहित्य	4	3	1	—	स्नातक उत्तीर्ण	Annexure

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

1. विद्यार्थियों को भूमंडलीकरण की व्यवस्था से परिचित कराना
2. भूमंडलीकरण न्यू मीडिया के अंतर्राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य और भारत राष्ट्र के संबंध को समझना।
3. साहित्य पर भूमंडलीकरण के राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय प्रभावों को चिन्हित करना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

1. विद्यार्थी भूमंडलीकरण की व्यवस्था से परिचित होगे।
2. भूमंडलीकरण के प्रभाव को राष्ट्र के सामाजिक जीवन में पहचान सकेंगे।
3. भूमंडलीकरण का हिंदी साहित्य की विभिन्न विधाओं पर पड़ने वाले प्रभाव का मूल्यांकन कर सकेंगे।

इकाई – 1 : भूमंडलीकरण : वैश्विक संदर्भ में (13घंटे)

- भूमंडलीकरण की वैश्विक बहस पक्ष-विपक्ष
- भूमंडलीकरण इंटरनेट और नया मीडिया का ग्लोबल परिप्रेक्ष्य
- भूमंडलीकरण और राष्ट्र / राज्य

- भूमंडलीकरण, बहुराष्ट्रीय कंपनियां और लोकतंत्र की समस्याएँ

इकाई – 2 : भूमंडलीकरण : भारत के संदर्भ में (12घंटे)

- भारत में भूमंडलीकरण पर विभिन्न विचारकों में विचार।
- भारतीय अर्थव्यवस्था और भूमंडलीकरण
- भारत में ग्लोबल सांस्कृतिक फिनोमिना मीडिया एवं इंटरनेट समस्याएं

इकाई – 3 : भूमंडलीकरण और हिन्दी उपन्यास (10घंटे)

- निर्धारित पाठ : डूब–वीरेन्द्र जैन

इकाई – 4 : भूमंडलीकरण और हिन्दी कहानी (10घंटे)

निर्धारित पाठ :

- भूख – चित्रा मुदगल
- आपकी हंसी – अलका सरावगी
- रूकावट के लिए खेद है – जितेन्द्र भाटिया
- बाजार में रामधन– कैलाश बनवासी

व्यवहारिक कार्य :

- समूह चर्चा करना
- इस पत्र की पाठ्य सामग्री से संबधित पुस्तकों /रचनाओं की समीक्षा करना
- हिंदी की बोलियों तथा हिंदीतर भाषाओं में पत्र से संबंधित पाठों की रचनाओं का अनुवाद
- इस पत्र से संबंधित रचनाओं की सूची तैयार करना तथा उनका सार लेखन
- शिक्षक द्वारा दिया गया परियोजना कार्य अथवा अन्य कार्य

सहायक ग्रंथ

- दुबे, अभय कुमार – भारत का भूमंडलीकरण, वाणी प्रकाशन- नवीन संस्करण, 2025
- सिंह, पुष्पपाल. *भूमण्डलीकरण और हिंदी उपन्यास*, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली, 2012
- बिहारी, राकेश. *भूमण्डलोत्तर कहानी*, आधार प्रकाशन, चंडीगड़, 2020
- विजयराय (सं.). *हिंदी की भूमडलोत्तर कथा भूमि*, नई किताब, नई दिल्ली, 2023

- सिन्हा, सच्चिदानंद. *भूमवडलीकरण की चुनौतियाँ*, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2012
- खेतान, प्रभा. बाजार के बीच: बाजार के खिलाफ, वाणी प्रकाशन, 2004
- काबरा, कमल नयन. *भूमण्डलीकरण*, प्रकाशन संस्थान, 2011
- काबरा, कमल नयन. *भूमण्डीकरण के भंवर में भारत*, सुभदा प्रकाशन, 2008
- Jan Aart Scholte – Globalization
- George Ritzer (ed.) – The Blackwell Companion to Globalization

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020
एम.ए. (हिंदी)
Semester II (For One Year PG)
Semester IV (For Two Year PG)
DSE 4 हिंदी दलित साहित्य

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (if any)	Content of Course and reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical / Practice		
DSE 4 हिंदी दलित साहित्य	4	3	1	—	स्नातक उत्तीर्ण	Annexure

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives)

- हिंदी दलित साहित्य की परंपरा को स्पष्ट करना।
- हिंदी दलित साहित्य के वैशिष्ट्य को रेखांकित करना।
- हिंदी दलित साहित्य के योगदान को रेखांकित करना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes)

- विद्यार्थी हिंदी दलित साहित्य की विकास यात्रा की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।
- विद्यार्थी हिंदी दलित साहित्य से परिचित होंगे।
- विद्यार्थी हिंदी दलित साहित्य की उपस्थिति के महत्व से परिचय प्राप्त कर सकेंगे।

इकाई -1 :हिंदी दलित साहित्य **(13 घंटे)**

- दलित साहित्य : अवधारणा एवं स्वरुप
- दलित साहित्य की वैचारिकी जाति आर्थिक परिणाम और समाधान : अंबेडकर की दृष्टि से
- दलित साहित्य : विविध विधाओं का विकास
- हिंदी दलित साहित्य : प्रतिमान, सौंदर्यशास्त्रीय पक्ष

इकाई - 2 : हिंदी दलित कविता **(12 घंटे)**

- अछूत की शिकायत-हीरा डोम (सरस्वती 1914, सं. महावीर प्रसाद द्विवेदी), जंगल का प्रजातंत्र- देवेन्द्र कुमार बंगाली
- बस्स! बहुत हो चुका, मुट्ठी भर चावल – ओमप्रकाश वाल्मीकि
- आदमी और कविता – जयप्रकाश कर्दम, चिड़िया जो मारी गई- कॅवल भारती
- बुद्ध चाहिए युद्ध नहीं - रजनी तिलक, जंजीर- शांति यादव

इकाई - 3 : हिंदी दलित कहानी **(10 घंटे)**

- सिलिया- सुशीला टाकभौरे
- मैं,शहर और वे – मोहनदास नैमिशराय
- औरत एक जात – उर्मिला पवार
- अरथी- पूरन सिंह

इकाई - 4 : हिंदी दलित जीवनी ,आत्मकथा **(10 घंटे)**

- डॉ. बाबा साहब अम्बेडकर (जीवनी), बसंत मून, अनुवाद , प्रभात पांडे, नेशनल बुक ट्रस्ट इंडिया (आरंभ से 10 परिच्छेद)
- मुर्दहिया, (आत्मकथा) तुलसी राम , राजकमल प्रकाशन, विद्यार्थी संस्करण, 2025 , पृष्ठ 9-52
- मेरा बचपन मेरे कंधे पर, (आत्मकथा, श्यौराज सिंह 'बेचैन', वाणी प्रकाशन दिल्ली, तृतीय संस्करण 2018, पृष्ठ 11-47

व्यवहारिक कार्य :

- समूह चर्चा करना
- इस पत्र की पाठ्य सामग्री से संबधित पुस्तकों / रचनाओं की समीक्षा करना
- हिंदी की बोलियों तथा हिंदीतर भाषाओं में पत्र से संबंधित पाठों की रचनाओं का अनुवाद
- इस पत्र से संबंधित रचनाओं की सूची तैयार करना तथा उनका सार लेखन
- शिक्षक द्वारा दिया गया परियोजना कार्य या अन्य कार्य

सहायक ग्रन्थ

- भारती,कँवल(सं.). *दलित निर्वाचित कविताएं*, इतिहास बोध प्रकाशन, 2006
- वाल्मीकि, ओमप्रकाश. *बस्स! बहुत हो चुका*, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली, 1997
- 'बैचैन' सिंह,श्यौराज. *मेरा बचपन मेरे कन्धों पर*, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2013
- पालीवाल,कृष्णदत्त. *दलित साहित्य बुनियादी सरोकार*,वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2009
- वीरोदय, डॉ. यशवंत. *दलित शिखरों के साक्षात्कार*, नवभारत प्रकाशन, गाजियाबाद, 2013
- डॉ. धर्मवीर. *दलित चिंतन का विकास: अभिशप्त चिंतन से इतिहास चिंतन की ओर*, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2008
- 'बैचैन' सिंह,श्यौराज. *सामजिक न्याय और दलित साहित्य*,वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2009
- ठाकुर,हरिनारायण. *दलित साहित्य का समाजशास्त्र*, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली, 2018
- वाल्मीकि, ओमप्रकाश, *दलित साहित्य अनुभव, संघर्ष एवं यथार्थ,* राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली, 2020
- वाल्मीकि, ओमप्रकाश, *दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र*,राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली, 2008
- तिवारी, बजरंग बिहारी. *दलित साहित्य : एक अंतर्यात्रा*, नवारूण प्रकाशन, 2023

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020
एम. ए.(हिंदी)
Semester II (For One Year PG)
Semester IV (For Two Year PG)

DSE- 5 जनजातीय विषयक हिंदी साहित्य

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (if any)	Content of Course and reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical / Practice		
DSE- 5 **जनजातीय विषयक हिंदी साहित्य**	4	3	1	—	स्नातक उत्तीर्ण	Annexure

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives)

- जनजाति जीवन, संस्कृति और साहित्य की समझ विकसित करना।
- हिंदी साहित्य में जनजाति विमर्श की भूमिका, स्वर और सरोकारों का विश्लेषण करना।
- जनजाति अस्मिता, पहचान और प्रतिरोध की चेतना की समझ विकसित करना ।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes)

- विद्यार्थी हिंदी साहित्य में चित्रित जनजातीय जीवन और संस्कृति को समझ सकेंगे ।
- विद्यार्थी हिंदी साहित्य में विवेचित जनजाति विमर्श की भूमिका से परिचित हो सकेंगे।
- विद्यार्थी जनजातीय अस्मिता की चेतना से परिचित हो सकेंगे ।

इकाई 1 : जनजाति साहित्य की संकल्पना और परिप्रेक्ष्य (13 घंटे)

- जनजाति की परिभाषा और अवधारणा
- जनजाति साहित्य और वाचिक परम्परा
- भारत में जनजाति साहित्य का उद्भव-विकास एवं विशेषताएँ

इकाई 2 : वैश्विक परिप्रेक्ष्य और जनजातीय साहित्य (13 घंटे)

- वैश्विक परिप्रेक्ष्य में जनजाति साहित्य का उद्भव

- विभिन्न जनजातीय समुदायों का संक्षिप्त परिचय
- उपनिवेशीकरण की प्रक्रिया और जनजाति आंदोलन
- जनजाति: वननीति और क़ानून

इकाई 3: जनजातीय साहित्य: कविता (10 घंटे)

- वाहरु सोनवने – स्टेज
- ग्रेस कुजूर – एक और जनी शिकार
- निर्मला पुतुल – चुड्का सोरेन से

इकाई 4: जनजातीय साहित्य की विविध विधाएँ– कहानी और उपन्यास (10 घंटे)

- रोज़ के केरकेट्टा – बिरुवार गमछा
- पीटर पॉल एक्का – राजकुमारों के देश में
- वाल्टर भेंगा 'तरण' – जंगल की ललकार

व्यवहारिक कार्य :

- समूह चर्चा करना
- इस पत्र की पाठ्य सामग्री से संबधित पुस्तकों रचनाओं की समीक्षा करना
- हिंदी की बोलियों तथा हिंदीतर भाषाओं में पत्र से संबंधित पाठों की रचनाओं का अनुवाद
- इस पत्र से संबंधित रचनाओं की सूची तैयार करना तथा उनका सार लेखन
- शिक्षक द्वारा दिया गया परियोजना कार्य या अन्य कार्य

सहायक ग्रंथ–

1. टेटे, वंदना. *आदिवासी साहित्य : परंपरा और प्रयोजन*, नोशन, भारत, 2021

2. नेगी, स्नेहलता. *आदिवासी समाज और साहित्य*, अनुज्ञा बुक्स, दिल्ली, 2021

3. गुप्ता, रमणिका (सं.). *आदिवासी कौन,* राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली, 2019

4. गिरि, राजीव रंजन. *परस्पर : भाषा-साहित्य -आंदोलन,* राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

5. मीणा, गंगा सहाय (सं.). *आदिवासी साहित्य विमर्श*, अनामिका पब्लिशर्स, नई दिल्ली, 2014

6. टेटे, वंदना. वाचिकता, राधाकृष्ण पेपरबैक्स, दिल्ली, 2019

7. किड़ो, वासवी. *भारत की क्रांतिकारी आदिवासी औरतें* ,अनुज्ञा बुक्स, दिल्ली, 2025

8. Rai, Kumar Binay, L.P. Vidyarthi. *The Tribal Culture of India*, Concept Publishing Company (P) LTD., New Delhi, 2023

9. Xaxa, Virginius. *State, Society and Tribes: Issues in Post-Colonial India*, Pearson Education, India (Noida), 2014

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020

एम. ए. (हिंदी)

Semester II (For One Year PG)

Semester IV (For Two Year PG)

DSE 6 आधुनिक विश्व साहित्य (अनुदित)

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of thecourse(if any)	Content of Course and reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
DSE6 आधुनिक विश्व साहित्य	4	3	1	—	स्नातक उत्तीर्ण	Annexure

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

4. विद्यार्थियों को विश्व साहित्य की परम्परा और महत्व से परिचित कराना.
5. विधार्थीयों को विश्व साहित्य की प्रतिनिधि कृतियों और रचनाकारों के संदर्भ में जानकारी देना.
6. विश्व साहित्य और वैश्विक संस्कृति के प्रसार में अनुवाद की भूमिका से परिचित कराना.

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

4. विद्यार्थी विश्व साहित्य की परम्परा और महत्व से परिचित हो सकेंगे.
5. विद्यार्थी विश्व साहित्य की प्रतिनिधि कृतियों और रचनाकारों के संदर्भ में जानकारी प्राप्त कर सकेंगे.
6. विश्व साहित्य और वैश्विक संस्कृति के प्रसार में अनुवाद की भूमिका से विद्यार्थी परिचित हो सकेंगे.

इकाई–1:विश्व साहित्य : अवधारणा और महत्व (13 घंटे)

- विश्व साहित्य: अर्थ और स्वरूप
- विश्व साहित्य और वैश्विक संस्कृति
- विश्व साहित्य और अनुवाद

इकाई–2:विश्व साहित्य: कविता (12 घंटे)

- खिड़की पर सुबह (ईस्ट कोकर-तीसरा अंश) : टी.एस. इलियट(इंग्लैंड)
  (अनुवाद एवं संकलन – धर्मवीर भारती, देशांतर, भारतीय ज्ञानपीठ, काशी)
- अबीकू: वोले शोयिंका (नाइजीरिया)
  मौसम अपशकुनों का: जे.पी. क्लार्क (नाइजीरिया)
  (अनुवाद-वीरेन्द्र कुमार बरनवाल, पानी के छींटे सूरज के चेहरे पर, संभावना प्रकाशन हापुड़)
- औरत, कवि: विसेन्ते यूदोबोरो (चिली)
  (अनुवाद एवं संकलन – धर्मवीर भारती, देशांतर, भारतीयज्ञानपीठ, काशी)
- मेरे बिना प्रभुतुम, तुमसे साक्षात्कार के पहले ही: रेनर मरिया रिल्के (आस्ट्रिया-जर्मनी)

इकाई–3:विश्व साहित्य: कथा साहित्य (12 घंटे)

- उपन्यास- ऐनिमल फार्म(अंग्रेजी) : जार्ज ऑरवेल, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली
- कहानी : 1- ऐसे ही किसी दिन : गैब्रियल गार्सिया मार्खेज (स्पेनी)
- कहानी : 2- लास्ट लीफ: ओ हेनरी(अंग्रेजी)
- कहानी : 3- गिरगिट: अन्तोव चेखव(रुसी)
- कहानी : 4- शिनागावा बंदर की स्वीकारोक्ति: हारुकी मुराकामी (जापानी)
  (अनुवाद-श्री विलास सिंह, समालोचन पत्रिका)

इकाई–4: विश्वसाहित्य: नाटक (12 घंटे)

- मैले हाथ: ज्याँ पॉल सात्र (फ़्रांसीसी)
  (अनुवाद- मनोज कश्यप 'भालेन्दु', राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली)

व्यावहारिक कार्य :

- समूह चर्चा करना
- इस पत्र की पाठ्य सामग्री से संबधित पुस्तकों रचनाओं की समीक्षा करना
- हिंदी की बोलियों तथा हिंदीतर भाषाओं में पत्र से संबंधित पाठों की रचनाओं का अनुवाद
- इस पत्र से संबंधित रचनाओं की सूची तैयार करना तथा उनका सार लेखन
- शिक्षक द्वारा दिया गया परियोजना कार्य या अन्य कार्य

सहायक ग्रंथ:

- भारती, धर्मवीर. *देशांतर*, भारतीय ज्ञानपीठ, काशी, 1960
- बरनवाल, वीरेन्द्र कुमार. *पानी के छींटे सूरज के चेहरे पर*, संभावना प्रकाशन, हापुड़
- ऑर्वेल, जार्ज. *ऐनिमल फार्म*, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली, 2019
- सात्र, ज्याँ पॉल. 'भालेन्दु', कश्यप, मनोज *(अनु.), मैले हाथ,* राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 2023
- सिंह, नामवर. *आधुनिक विश्व साहित्य और सिद्धांत*, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 2023
- उपाध्याय, भगवत शरण. *विश्व साहित्य की रूपरेखा*, राजपाल एण्ड संस, दिल्ली, 1959
- राकेश, राजकुमार. *विलक्षण यात्री-गैब्रियल गार्सिया मार्खेज से एक रचनात्मक मुडभेड़*, आधार प्रकाशन, (पंचकुला) चंडीगढ़, 2016

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020
एम. ए. (हिंदी)
Semester II (For One Year PG)
Semester IV (For Two Year PG)
GE1 प्रकृति, पर्यावरण और आधुनिक हिंदी कविता

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (if any)	Content of Course and reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical / Practice		
GE1 **प्रकृति, पर्यावरण और आधुनिक हिंदी कविता**	4	3	1	—	स्नातक उत्तीर्ण	Annexure

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives)

- विद्यार्थियों को प्रकृति और पर्यावरण की अवधारणात्मक जानकारी प्रदान करना।
- प्रकृति और पर्यावरण से संबंधित हिंदी साहित्य से परिचित कराना।
- विद्यार्थियो में पर्यावरण संबंधी चेतना विकसित करना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes)

- विद्यार्थी प्रकृति और पर्यावरण की अवधारणा से परिचित होंगे।
- प्रकृति और पर्यावरण संबंधी हिंदी साहित्य की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।
- पर्यावरण संबंधी चेतना के माध्यम से अपने उत्तरदायित्व का निर्वाह कर सकेंगे।

इकाई – 1 : प्रकृति, पर्यावरण और भूमंडलीकरण (12 घंटे)

- प्रकृति और पर्यावरण की अवधारणा
- पर्यावरण की समस्याएँ और प्रदूषण
- अर्थव्यवस्था के भूमंडलीकरण का पर्यावरण पर प्रभाव
- पर्यावरण की समस्याएँ और राजनीति

इकाई – 2 : छायावादी कविता : प्रकृति और पर्यावरण (12 घंटे)

- किरण ('झरना' से) – जयशंकर प्रसाद
- संध्या-सुंदरी ('परिमल' से) – सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'
- एक तारा ('गुंजन' से) –सुमित्रानंदन पंत
- संसार ('नीहार' से) – महादेवी वर्मा

इकाई – 3 : प्रगतिशील और नयी कविता : प्रकृति और पर्यावरण (10 घंटे)

- 'उषा' और 'सागर-तट' ('कुछ कविताएँ'से) – शमशेर बहादुर सिंह
- पछाड़ दिया मेरे आस्तिक ने ('प्रतिनिधि कविताएँ'से) – नागार्जुन
- बसंती हवा ('युग की गंगा' से) – केदारनाथ अग्रवाल
- 'भीतर जागा दाता' और 'नंदा देवी' (पहला, दूसरा एवं छठा खंड) – 'सदानीरा' से : अज्ञेय

इकाई – 4 : साठ के बाद की कविता : प्रकृति और पर्यावरण (10 घंटे)

- 'धूप' और 'वसंत आया' ('सीढ़ियों पर धूप में' से) – रघुवीर सहाय
- 'अकाल में सारस' ('अकाल में सारस' से) 'पानी की प्रार्थना' ('टॉलस्टाय और साइकिल' से) – केदारनाथ सिंह
- 'अथ पुरातन कथा' और 'बचे-खुचे जंगल के साथ' ('अतिक्रमण' से) – कुमार अंबुज
- 'सभ्यताओं के मरने की बारी' और 'क्यों महुए तोड़े नहीं जाते पेड़ से' ('ईश्वर और बाजार' से) –जसिंता केरकेट्टा

व्यावहारिक कार्य :

- समूह चर्चा करना
- इस पत्र की पाठ्य सामग्री से संबधित पुस्तकों, रचनाओं की समीक्षा करना
- हिंदी की बोलियों तथा हिंदीतर भाषाओं में पत्र से संबंधित पाठों की रचनाओं का अनुवाद
- इस पत्र से संबंधित रचनाओं की सूची तैयार करना तथा उनका सार लेखन

- शिक्षक द्वारा दिया गया परियोजना कार्य या अन्य कार्य

सहायक पुस्तकें :

- McNeill, J.R.. *Something New Under the Sun: An Environmental History of the Twentieth Century* , w.w. Norton & company new York, 2001
- Guha, Ramachandra . *Environmentalism: A Global History* –Pearson In, Noida, 2001
- शुक्ल, रामचन्द्र. *'काव्य में प्राकृतिक दृश्य' (निबंध) –चिंतामणि भाग-2* , अद्वैत प्रकाशन, 2024
- सिंह, नामवर. *छायावाद*, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 2015

वात्स्यायन, सच्चिदानंद (सं.). *रूपाम्बरा*, वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 2025

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020
एम. ए. (हिंदी)
Semester II (For One Year PG)
Semester IV (For Two Year PG)
GE 2 सोशल मीडिया और हिंदी

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (if any)	Content of Course and reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical / Practice		
GE 2 **सोशल मीडिया और हिंदी**	2	1	-	1	स्नातक उत्तीर्ण	Annexure

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives)

- विद्यार्थियों को सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफॉर्म और उनकी कार्यप्रणाली से परिचित कराना
- हिंदी भाषा में मीडिया के उपयोग, प्रभाव और महत्व की समझ विकसित करना
- डिजिटल युग में हिंदी पत्रकारिता और संचार के नवीन आयामों से अवगत कराना
- सोशल मीडिया के माध्यम से ब्रांड मैनेजमेंट, सामाजिक अभियान और रचनात्मक लेखन का व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करना

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes)

- विद्यार्थी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म की कार्य प्रणाली और उनके उपयोग को समझ सकेंगे
- हिंदी में प्रभावी और आकर्षक डिजिटल सामग्री का निर्माण कर सकेंगे
- सोशल मीडिया के माध्यम से सामाजिक अभियान चला सकेंगे
- डिजिटल युग में हिंदी भाषा और साहित्य की भूमिका का मूल्यांकन कर सकेंगे

इकाई–1 : सोशल मीडिया : अवधारणा, स्वरूप और विकास **(13 घंटे)**

- सोशल मीडिया : अर्थ, परिभाषा, स्वरूप और इतिहास

- सोशल मीडिया के प्रकार और प्लेटफॉर्म (फेसबुक, इंस्टाग्राम, ट्विटर (X), थ्रेड्स, यूट्यूब, व्हाट्सऐप, टेलीग्राम)
- सामाजिक सम्प्रेषण में सोशल मीडिया की भूमिका
- सोशल मीडिया : जोखिम और चुनौतियाँ (साइबर सुरक्षा और गोपनीयता, फेक न्यूज़:, डिजिटल विभाजन)

इकाई–2 : हिंदी और सोशल मीडिया : भाषा, साहित्य और सांस्कृतिक आयाम (12 घंटे)

- सोशल मीडिया पर हिंदी भाषा : स्वरूप, प्रयोग, चुनौतियाँ
- सोशल मीडिया पर हिंदी कविता, कहानी लेखन और नागरिक पत्रकारिता
- डिजिटल साहित्य : ई–बुक्स, ऑडियोबुक्स, ब्लॉग और पॉडकास्ट
- सांस्कृतिक संचार और हिंदी सोशल मीडिया

इकाई–3 : सोशल मीडिया सामग्री निर्माण : तकनीक और रणनीति (10 घंटे)

- ब्लॉग लेखन : सिद्धांत और व्यवहार
- सोशल मीडिया पर रचनात्मक सामग्री लेखन : स्टोरी लेखन, कैप्शन, यूट्यूब और शॉर्टस के लिए लेखन, पॉडकास्ट
- सोशल मीडिया मार्केटिंग
- एनीमेशन और विजुअल स्टोरी टेलिंग, वीडियो संपादन

इकाई–4 : सोशल मीडिया का व्यावहारिक पक्ष और अनुप्रयोग (10 घंटे)

- सोशल मीडिया अभियान और ब्रांड प्रबंधन, इन्फ्लुएंसर मार्केटिंग
- व्यक्तिगत ब्लॉग, सोशल मीडिया पेज का निर्माण
- सोशल मीडिया और कानून : साइबर कानून, कॉपीराइट, प्लेगरिज़्म और बौद्धिक संपदा अधिकार, डेटा प्राइवेसी
- सोशल मीडिया और आजीविका

व्यावहारिक कार्य :

- व्याख्यान, सहयोगी शिक्षा, पोर्टल/ब्लॉग रिव्यू, समूह चर्चा, समूह वाचन, ई–बुक समीक्षा, पॉडकॉस्ट चर्चा।

सहायक ग्रंथ :

- प्रभात रविन्द्र. *सामाजिक मीडिया और हम,* नोशन प्रेस, 2020
- सुमन स्वर्ण. *सोशल मीडिया,* हार्पर कॉलिन्स पब्लिशर इंडिया, 2014
- जाधव रविन्द्र. *मीडिया और हिंदी : बदलती प्रवृत्तियाँ,* वाणी प्रकाशन, 2016
- शर्मा कुमुद. *भूमंडलीकरण और मीडिया,* प्रभात प्रकाशन, 2013

- गवली, कल्पना (सं.). *सोशल मीडिया और हिंदी,* माया प्रकाशन, कानपुर, 2020
- प्रभाकर विजय, *डिजिटल हिंदी की यात्रा,* एशियन प्रेस, दिल्ली, 2020
- चतुर्वेदी, जगदीश्वर. *वर्चअल रियलिटी, साइबर संस्कृति और इंटरनेट,* एकैडमिक पब्लिकेशन, नई दिल्ली,2022
- भाटिया, कविता. *सोशल मीडिया वर्चअल से वास्तविकता,* सेतु प्रकाशन, नोएडा, 2022
- हंस पत्रिका, *न्यू सोशल मीडिया* विशेषांक (अक्टूबर, 2018)
- Fuchs, Christian, *Culture and Economy in the Age of social media*, Rutledge publication, 2015
- Trottier, Daniel and Fuchs, *Social Media, Politics and the State*, Routledge publication, 2014

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020
एम. ए. (हिंदी)
Semester II (For One Year PG)
Semester IV (For Two Year PG)
SBC-1 हिंदी सिनेमा में गीत लेखन

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (if any)	Content of Course and reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical / Practice		
SBC-1 **हिंदी सिनेमा में गीत लेखन**	2	1	-	1	स्नातक उत्तीर्ण	Annexure

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives)

1. विद्यार्थियों को हिंदी सिनेमा व गीत परम्परा से परिचित कराना।
2. हिंदी सिनेमा के विविध व्यावहारिक पक्षों की जानकारी देना।
3. हिंदी सिनेमा व गीत लेखन कौशल से परिचित कराना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes)

1. विद्यार्थी हिंदी सिनेमा – गीत परंपरा से परिचित हो सकेंगे।
2. हिंदी सिनेमा के विविध पक्षों की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।
3. हिंदी सिनेमा – गीत लेखन कौशल प्राप्त कर सकेंगे।

इकाई–1 : गीत और हिंदी सिनेमा (-- घंटे)

- गीत : अर्थ, स्वरूप और हिंदी सिनेमा में गीत विधा।
- हिंदी सिनेमा गीत : परंपरा, विकास और लोक तत्व
- हिंदी सिनेमा – गीतों की भूमिका – सामाजिक, सांस्कृतिक एवं राष्ट्रीयता की भावना
- प्रमुख गीतकारों का परिचय : नरेंद्र शर्मा, कवि प्रदीप, साहिर लुधियानवी, गुलजार, संतोष आनंद, नीरज, इरशाद कामिल, प्रसून जोशी,

इकाई–2 : हिंदी सिनेमा–गीत : लेखन, तत्व और प्रविधि (-- घंटे)

- गीत के बोल, संगीत की संरचना और राग–गायन
- गीत की संरचना : ध्वनि, लय, गति, गतिशीलता, सामंजस्य
- गीत लेखन की प्रविधि – मुखड़ा (Intro), छंद (Verse), पूर्व कोरस (Pre Chorus) कोरस (Chorus), ब्रिज (Bridge), वाद्य एकल (Instrumental Solo), कोडा (Qutro)
- गीत में साहित्यिक कविता या शायरी का प्रयोग

व्यावहारिक कार्य :

- समूह चर्चा करना।
- हिंदी सिनेमा के गीतों की समीक्षा करना।
- दिए गए विषय पर गीत लिखना।
- इस पत्र से संबंधित रचनाओं/गीतकारों की सूची तैयार करना तथा वैशिष्ट्य रेखांकित करना।
- शिक्षक द्वारा दिया गया परियोजना कार्य या अन्य कार्य।

सहायक ग्रंथ :–

- मिश्र, यतींद्र. *हमसफर : हिंदी सिनेमा और संगीत*, पेंगुइन बुक्स, दिल्ली, 2013
- श्रीवास्तव, *राजीव. सात सुरों का मेला*, प्रकाशन विभाग, दिल्ली, 2020
- चड्ढा, मनमोहन. *हिंदी सिनेमा का इतिहास*, म.प्र. हिंदी ग्रंथ अकादमी, भोपाल, 2021
- हँस (पत्रिका), *हिंदी सिनेमा के सौ साल (विशेषांक)*
- मेहता, डॉ. नीना (सं.). *इरशाद कामिलः साहित्यिक संवेदना और सरोकार*, रूप कवल प्रकाशन, लुधियाना (पंजाब), 2025
- राग, पंकज. *धुनों की यात्रा, वाणी प्रकाशन,* नई दिल्ली, 2006
- पारख, जवरीमल्ल. *साहित्य, कला और सिनेमा,* वाम प्रकाशन, नई दिल्ली, 2024
- कामिल, इरशाद. *काली औरत का ख़्वाब,* वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2025

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020
एम. ए.(हिंदी)
Semester II (For One Year PG)
Semester IV (For Two Year PG)
SBC :हिंदी का यात्रा साहित्य : वृत्त और वृत्तांत

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (if any)	Content of Course and reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical / Practice		
SBC हिंदी का यात्रा साहित्य : वृत्त और वृत्तांत	2	1	0	1	स्नातक उत्तीर्ण	Annexure

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- विद्यार्थियों को यात्रा साहित्य के माध्यम से समाज एवं संस्कृति के विविध पहलुओं से परिचित कराना।
- विद्यार्थियों में राष्ट्रीयता के भाव-बोध को जागृत करना।
- विद्यार्थियों को यात्रा साहित्य के इतिहास की सामान्य जानकारी देना।

पाठ्यक्रमअध्ययनकेपरिणाम(Course Learning Outcomes):

- विद्यार्थी यात्रा साहित्य के लेखकों से परिचित होंगे।
- विद्यार्थी यात्रा वृत्तांत के साहित्यिक, सामाजिक और सांस्कृतिक महत्त्व से परिचित होंगे।
- यात्रा वृत्तांत के माध्यम से पर्यटन के प्रतिरुचि विकसित होगी।

इकाई 1 : हिंदी यात्रा साहित्य: परिचय एवं पाठ (12 घंटे)

- हिंदी यात्रा साहित्य: सामान्य परिचय, यात्राओं का सामाजिक,सांस्कृतिक एवं धार्मिक परिप्रेक्ष्य
- पैरों में पंख बांधकर (1952) : रामवृक्ष बेनीपुरी
- स्मरण को पाथेय बनने दो (1977) : विष्णुकांत शास्त्री
- मैं कहती हूं आखिन देखी (1997) : पदमा सचदेव

इकाई2 : हिंदी यात्रा साहित्य: प्रयोगात्मक कार्य (12 घंटे)

- यात्रा साहित्य की पुस्तकों की समीक्षा
- यात्रा साहित्य पर समूह चर्चा
- स्वयं की किसी यात्रा का सामाजिक, सांस्कृतिक उपादेयता की दृष्टि से लेखन
- शिक्षक द्वारा दिया गया कोई व्यावहारिक अथवा परियोजना कार्य

सहायक ग्रंथ:

- माथुर, डॉ. सुरेंद्र. *यात्रा साहित्य का उद्भव और विकास,* साहित्य प्रकाशन, दिल्ली,1963
- शर्मा, प्रताप पाल. *हिंदी का आधुनिक यात्रा साहित्य,* अमर प्रकाशन, दिल्ली, 2003
- उप्रेती, रेखाप्रवीण.*हिंदी का यात्रा साहित्य,* हिंदी बुक सेंटर, नई दिल्ली, 2000
- स्वामी, डॉ. रमेश सदाशिव, *हिंदी का स्वतंत्र्य प्राप्युत्तर,* 1992
- तिवारी, विश्व मोहन. *हिंदी का यात्रा साहित्य : एक विहंगम दृष्टि,* आलेख प्रकाशन, दिल्ली, 2008
- शर्मा, मुरारीलाल. *हिदी यात्रा साहित्य :स्वरूप और विकास,* क्लासिकल पब्लिशिंग कंपनी,दिल्ली, 2003

राष्ट्रीय शिक्षा नीति **2020**

M.A. Hindi

Structure 3 (Level 6.5) : Research

Semester II (For One Year PG) / Semester IV (For Two Year PG)

No.	Paper Type	Paper Name	Page No.
1	Pool of DSE (For II/IV Sem)	1. नाटक और रंगमंच : शोध की संभावनाएं और समस्याएं	
		2. कहानी एवं उपन्यास : शोध की संभावनाएं और समस्याएं	
		3. सिद्धांत और आलोचना : शोध की संभावनाएं और समस्याएं	
		4. अस्मितामूलक विमर्श : शोध की संभावना और समस्याएं	
		5. स्त्री चिंतन और अनुसंधान	
		6. अनुवाद, जनसंचार एवं भाषा विज्ञान : शो की संभावनाएं और समस्याएं	
	Techniques of Research writing	1.शोध लेखन की तकनीक	

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020

एम. ए. (हिंदी)

Structure 3 (Level 6.5) : Research

Semester II (For One Year PG)

Semester IV (For Two Year PG)

DSE : नाटक और रंगमंच : शोध की संभावनाएं एवं समस्याएं

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (if any)	Content of Course and reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSE हिंदी नाटक और रंगमंच : शोध की संभावनाएं एवं समस्याएं	4	3	1	0	स्नातक उत्तीर्ण	—

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (**Course Objectives**):

- ➢ विद्यार्थियों को हिंदी नाटक और रंगमंच से संबंधित शोध के विभिन्न क्षेत्रों से परिचित कराना।
- ➢ हिंदी रंगमंच के अखिल भारतीय स्वरूप की समझ विकसित करना।
- ➢ हिंदी के मंचीय नाटकों के अनुभव को परस्पर संवाद द्वारा प्रकट करने में सक्षम होंगे।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम **(Course Learning Outcomes)**:

- ➢ विद्यार्थियों हिंदी नाटक और रंगमंच से संबंधित शोध के विभिन्न क्षेत्रों से परिचित होंगे।
- ➢ हिंदी रंगमंच के अखिल भारतीय स्वरूप की समझ विकसित होगी।
- ➢ हिंदी के मंचीय नाटकों के अनुभव को परस्पर संवाद द्वारा प्रकट करने में सक्षम होंगे।

इकाई **–1**: भक्ति संदर्भित रंगमंच / भक्ति रंगमंच (9 घंटे)

इकाई **–2**: लोकनाट्य भक्ति पद्धतियां (12 घंटे)

इकाई **–3**:रंगमंच का अखिल भारतीय स्वरूप (12 घंटे)

इकाई **–4**: प्रदर्शनकारी कलाएं और रंगमंच / हिंदी के मंचीय नाटकों का अनुभव संवाद / पुनर्पाठ / पुनर्अध्ययन (12 घंटे)

सहायकग्रंथ**:**

1. जैन,नेमिचंद. रंगदर्शन, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली, दूसरा संस्करण, 1983
2. तनेजा, जयदेव, हिंदी रंगकर्म. दशा और दिशा, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली, प्रथम संस्करण,1998
3. अंकुर, देवेंद्रराज. रंगमंच का सौंदर्यशास्त्र, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, संस्करण, 2006
4. राकेश, मोहन.मेरे साक्षात्कार, किताबघर प्रकाशन, दिल्ली, संस्करण, 2003
5. ओक्षा, दशरथ. हिंदी नाटक, उद्भव और विकास, राजपाल एंड संस प्रकाशन, संस्करण, 2008
6. गार्गी, बलवंत. रंगमंच, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, प्रथम हिंदी संस्करण, 1968
7. कुमार, सिद्धनाथ. नाटकालोचन के सिद्धांत, भावना प्रकाशन, संस्करण, 1998
8. कपिला वात्स्यायन. पारंपरिक भारतीय रंगमंच, राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, दिल्ली, संस्करण, 2011
9. डॉ. अज्ञात. भारतीय रंगमंच का विवेचनात्मक इतिहास, पुस्तक संस्थान, कानपुर, प्रथम संस्करण, 1978
10. Varadpande, ML. *History of Indian Theatre*, Abhinav publications, Delhi,1987

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020

एम. ए. (हिंदी)

Structure 3 (Level 6.5) : Research

Semester II (For One Year PG)

Semester IV (For Two Year PG)

DSE2 कहानी और उपन्यास**:** शोध की संभावनाएं और समस्याएं

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (if any)	Content of Course and reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSE2 **कहानी और उपन्यास: शोध की संभावनाएं और समस्याएं**	4	3	1	0	स्नातक उत्तीर्ण	—

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (**Course Objectives**)**:**

- ➢ कथा साहित्य की सैद्धांतिकी और प्रविधियों का अध्ययन ।
- ➢ कहानी के क्षेत्र में शोध की नयी संभावनाओं की तलाश ।
- ➢ उपन्यास के क्षेत्र में शोध की नयी संभावनाओं की तलाश ।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम **(Course Learning Outcomes)**:

- ➢ ऐतिहासिक, सामाजिक और आर्थिक बदलावों की पहचान ।

- ➢ कथा साहित्य के क्षेत्र में विकसित नए क्षेत्रों की पहचान ।
- ➢ कथा साहित्य में नए प्रयोगों की पहचान ।

इकाई **1 :** सिद्धान्त**,** आलोचना और उपन्यास

(दास्तानगोई, यथार्थवाद और उपन्यास, व्यक्ति और उपन्यास, उपन्यास का समाजशास्त्र, राष्ट्रवाद और उपन्यास, इतिहास और उपन्यास, महाकाव्य और उपन्यास आदि सिद्धांतों/धारणाओं का पाठ के उदाहरण से अध्यापन)

इकाई**2 :** सिद्धांत**,** आलोचना और कहानी

(किस्सागोई की परंपरा, औपनिवेशिक दौर और कहानी, इतिहास, मिथक, संस्कृति और कहानी, व्यक्ति, समाज और कहानी, कहानी के बदलते आयाम, कहानी और लंबी कहानी, आदि बिन्दुओं का पाठ के उदाहरण से अध्यापन)

इकाई**3 :** ऐतिहासिक सामाजिक बदलाव और कथा साहित्य

(जासूसी कहानियाँ, औपनिवशिक दौर और उपन्यास, स्वातंत्र्योत्तर कथा साहित्य, साठोत्तरी कथा साहित्य, भूमंडलीकरण और कथा साहित्य आदि बिन्दुओं पर आर्थिक-सामाजिक बदलावों की दृष्टि से पाठ के उदाहरण से अध्यापन)

इकाई**4 :** समकालीन विमर्श और कथा साहित्य

(आदिवासी, दलित, स्त्री और अन्य समकालीन विमर्शों पर पाठ के उदाहरण से अध्यापन)

संदर्भ ग्रंथ **:**

1. फाक्स, रैल्फ. नागर,(अनु.). नरोत्तम उपन्यास और लोक जीवन, पी.पी.एच, नयी दिल्ली, 2008 ।
2. यादव, राजेंद्र.उपन्यास *:* स्वरुप और संवेदना, वाणी प्रकाशन, सं. 2020 नयी दिल्ली ।
3. सिंह, नामवर (संपा). आधुनिक हिन्दी उपन्यास *1, 2* , राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 2020 ।
4. पाण्डेय, मैनेजर.उपन्यास और लोकतंत्र–वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 2018 ।
5. तिवारी, नित्यानंद.आधुनिक साहित्य और इतिहास बोध–वाणी प्रकाशन, दिल्ली,2009 ।
6. मदान, इन्द्रनाथ.आधुनिकता और हिन्दी उपन्यास*,* राजकमल प्रकाशन, सं. 2025, दिल्ली ।
7. ब्युरैक, ए.एस. चतुर्वेदी, राममित्र(अनु.)., शुक्ल, रमेश चन्द्र (अनु*.).* उपन्यास-लेखन शिल्प, मध्य प्रदेश हिन्दी ग्रन्थ अकादेमी, भोपाल ।
8. फार्स्टर, ई. एम., भार्गव, राजुला(अनु*.).,* उपन्यास के पक्ष, राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादेमी, जयपुर ।
9. यादव, वीरेंद्र.उपन्यास और वर्चस्व की सत्ता–राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 2017 ।
10. तिवारी, विनोद (संपा.)उपन्यास *:* कला और सिद्धान्त *-1, 2,* अजय आनंद, अनन्य प्रकाशन, नई दिल्ली, 2016 ।
11. Georg Lukacs, translated by Anna Bostock. *The Theory of the Novel* - The MIT Press, USA., 1977
12. James, Henry. *The Art of Fiction,* Partial Portraits (Macmillan).
13. James, Henry. *Selected Literary Criticism,* Morris Shapira (Edt.) – Penguin Books Ltd. England., 1987
14. Lubbock, Percy. *The Craft of Fiction* –Read A Classic, Jonathan Cape, London, 1963,U.S.A.

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020

एम. ए. (हिंदी)

Structure 3 (Level 6.5) : Research
Semester II (For One Year PG)
Semester IV (For Two Year PG)

DSE:सिद्धांत और आलोचना**:** शोध की संभावनाएं और समस्याएं

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (if any)	Content of Course and reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical / Practice		
DSE3 सिद्धांत और आलोचना: शोध की संभावनाएं और समस्याएं	**4**	**3**	**1**	**0**	स्नातक उत्तीर्ण	—

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (**Course Objectives**)**:**

- ➢ विभिन्न साहित्यिक सिद्धांतों और आलोचना पद्धतियों की जानकारी प्रदान करना।
- ➢ संस्कृत और हिंदी आलोचना सिद्धांतों की समझ विकसित करना।
- ➢ पाश्चात्य शोध सैद्धान्तिकियों और हिंदी साहित्य में उनके प्रयोग की जानकारी देना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम **(Course Learning Outcomes)**:

- ➢ संस्कृत और हिंदी आलोचना सिद्धांतों को जानेंगे।
- ➢ पाश्चात्य शोध सैद्धान्तिकियों और हिंदी आलोचना सैद्धान्तिकियों को जानेंगे।
- ➢ सिद्धांत, आलोचना, रचना के अंतर्संबंधों को जानेंगे।

इकाई **: 1** संस्कृत और हिंदी आलोचना**-** सिद्धांत**:** शोध की संभावनाएं
(हिंदी कविता, कथा साहित्य और अन्य विधाओं पर संस्कृत और हिंदी के काव्य शास्त्र का प्रभाव, हिंदी आलोचना पर काव्यशास्त्र का प्रभाव)

इकाई **: 2**पाश्चात्य काव्य चिंतन: शोध की संभावनाएं
(पाश्चात्य काव्य चिंतन का हिंदी साहित्य पर प्रभाव; शास्त्रवाद, स्वछंदतावाद और आधुनिकतावाद के विशेष संदर्भ में)

इकाई **: 3**साहित्यिक सिद्धांतिकी: शोध की संभावनाएं
(रूपवाद, कला कला के लिए, यथार्थवाद, मार्क्सवाद, नई समीक्षा, संरचनावाद, उत्तर संरचनावाद, उत्तर औपनिवेशिकता के विशेष संदर्भ में)

इकाई **: 4**सिद्धांत, आलोचना और रचना का अंतर्संबंध

संदर्भ ग्रंथ**:**

1. कुमार, सुशील, संस्कृत काव्यशास्त्र का इतिहास भाग-*1*, हिंदी बुक सेंटर, 1960
2. मीणा, रमेश चंद,आदिवासी विमर्श, राजस्थान हिंदी ग्रंथ अकादमी, 2021
3. मिश्र, जितेन्द्र नाथ, पाश्चात्य काव्यशास्त्र, विजय प्रकाशन मंदिर, 2023
4. नागेन्द्र, भारतीय काव्यशास्त्र, राजकमल प्रकाशन, 1952
5. पाण्डेय, रणजीत कुमार,संस्कृत काव्यशास्त्र और आचार्य वामन,. विजय प्रकाशन, 2021
6. पुष्पा, मैत्रेयी, अल्मा कबूतरी, वाणी प्रकाशन, 2000
7. वाल्मीकि, ओमप्रकाश, जूठन, राधाकृष्ण प्रकाशन, 1997
8. शुक्ल, रामचन्द्र, हिंदी साहित्य का इतिहास, लोकभारती प्रकाशन, 1929 (पुनर्मुद्रण 2020).
9. सोबती, कृष्णा, मित्रो मरजानी, राजकमल प्रकाशन, 1966
10. सिंह, सुधा, ज्ञान का स्त्रीवादी पाठ, नॉट नल डॉट कॉम
11. AristotlePoetics, Translated by Malcolm Heath, Penguin Classics, 1996
12. Arya, Sunaina, and Aakash Singh Rathore, editors, Dalit Feminist Theory: A Reader, Routledge, 2019
13. Culler, Jonathan, Literary Theory: A Very Short Introduction, Oxford University Press, 1997
14. de Beauvoir, Simone, The Second Sex, Translated by Constance Borde and Sheila Malovany-Chevallier, Vintage, 2011
15. De, S. K, Sanskrit Poetics as a Study of Aesthetic, University of California Press, 1963
16. Eagleton, Terry, Literary Theory: An Introduction, Anniversary ed., Blackwell, 2008

17. Ingalls, Daniel H. H., translator and editor, An Anthology of Sanskrit Court Poetry: Vidyākara's "Subhāṣitaratnakoṣa" , Harvard University Press, 1965
18. Shahani, Parmesh, Queeristan: LGBTQ Inclusion in the Indian Workplace, Westland, 2020
19. Shekhar, Hansda Sowvendra, The Adivasi Will Not Dance, Speaking Tiger, 2015

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020

एम. ए.(हिंदी)

Structure 3 (Level 6.5) : Research
Semester II (For One Year PG)
Semester IV (For Two Year PG)

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (if any)	Content of Course and reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSE अस्मितामूलक विमर्श : शोध की संभावनाएं और समस्याएं (आदिवासी, स्त्री एवं दलित)	4	3	1	0	स्नातक उत्तीर्ण	__

DSE:अस्मितामूलक विमर्श**:** शोध की संभावनाएं और समस्याएँ

पाठ्यक्रम के उद्देश्य **(Course Objectives)**

- अस्मिताओं का विश्लेषणात्मक ज्ञान की समझ को विकसित करना।
- आदिवासी विमर्श की भूमिका, स्वर और सरोकारों का विश्लेषण करना।

➢ दलित साहित्य की पहचान और प्रतिरोध की चेतना की समझ विकसित करना ।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (**Course Learning Outcomes)**

➢विद्यार्थी अस्मिताओं का विश्लेषणात्मक ज्ञान की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।

➢विद्यार्थी आदिवासी विमर्श साहित्य से परिचित होंगे।

➢विद्यार्थी दलित साहित्य की उपस्थिति के महत्व से परिचय प्राप्त कर सकेंगे।

इकाई **1**: अस्मिता की निर्मिति और इतिहास **(13** घंटे**)**

- अस्मिता की अवधारणा और सिद्धांत
- अस्मिता निर्माण की प्रकृति
- अस्मिता के प्रकार
- भूमंडलीकरण और अस्मिता

इकाई **2 :** शोध**-**क्षेत्र के रूप में दलित साहित्य **(11** घंटे**)**

- दलित विमर्श और साहित्य का स्वरूप
- दलित साहित्य का ऐतिहासिक आधार : अंबेडकरवाद
- दलित साहित्य के प्रमुख सरोकार और सामाजिक न्याय की स्थापना का संवैधानिक लक्ष्य
- दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र

इकाई 3 : शोध-क्षेत्र के रूप में स्त्री साहित्य (11 घंटे)

- वैश्विक परिप्रेक्ष्य में आदिवासी

सहायक ग्रंथ :

1. मुंडा, रामदयाल. आदिधर्म. पेंगुइन प्रकाशन वर्ष (मूल संस्करण 1937 या बाद में, हिन्दी संस्करण नव प्रकाशित)
2. नेगी, स्नेहलता. आदिवासी समाज और साहित्य, अनुज्ञा बुक्स प्रकाशन
3. शर्मा, ब्रह्मदेव. आदिवासी स्वशासन. प्रकाशन संस्थान, 1994
4. तिवारी, बजरंग बिहारी, दलित साहित्य एक अंतर्यात्रा (द्वि.सं. 2023, प्र. सं. 2015), नवारुण प्रकाशन, ग़ाजियाबाद।,
5. मीणा, गंगा सहाय. आदिवासी चिंतन की भूमिका. अनन्या प्रकाशन, 2016
6. गुप्ता, रमणिका. आदिवासी कौन. राधाकृष्ण प्रकाशन, 2016.
7. लिंबाले, शरणकुमार. दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र. वाणी प्रकाशन, 2020.
8. वाल्मीकि, ओमप्रकाश. दलित साहित्य का सौंदर्य शास्त्र. राधाकृष्ण प्रकाशन, 2010.
9. चौहान, सुशीला टाकभौरे. दलित साहित्य की मुख्य धारा. वाणी प्रकाशन, 2011.
10. नैमिशराय, मोहनदास. दलित आंदोलन का इतिहास *(खंड 1-4*). राजकमल प्रकाशन, 2024.
11. चतुर्वेदी, जगदीश्वर, सिहं सुधा, लिंगभेद पितृसत्ता और स्त्रीवाद,एकैडमिक पब्लिकेशन, दिल्ली, 2021
12. अग्रवाल, रोहिणी, स्त्री लेखन स्वप्न और संकल्प, राजकमल प्रकाशन दिल्ली, 2025
13. तलवार, वीर भारत, उत्पीडित़ों के विमर्श, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 2025
14. गिरि, राजीव रंजन, (सं.) स्त्री मुक्ति*:* यथार्थ और यूटोपीया, अनुज्ञा बुक्स प्रकाशन, दिल्ली 2023

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020

एम. ए. (हिंदी)

Structure 3 (Level 6.5) : Research
Semester II (For One Year PG)
Semester IV (For Two Year PG)
DSE: स्त्री चिंतन और अनुसंधान

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (if any)	Content of Course and reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSE स्त्री चिंतन और अनुसंधान	4	3	1	0	स्नातक उत्तीर्ण	—

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (**Course Objectives**):

- स्त्री चिंतन की भारतीय परंपरा से परिचित होना।
- स्त्री चिंतन और लेखन के क्षेत्र में भारतीय और यूरोपीय लेखन के संदर्भों को समझना।
- विभिन्न दार्शनिक/सामाजिक/ राजनीतिक परिस्थितियों और स्त्री लेखन के अंर्तसबंधों को समझना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम **(Course Learning Outcomes):**

- विद्यार्थी स्त्री लेखन की सुदीर्घ भारतीय परंपरा से परिचित होंगे।
- वैश्विक परिप्रेक्ष्य में भारतीय स्त्री लेखन की विशेषताओं को समझेंगे।

➢ दर्शन, संस्कृति, साहित्य, सामाजिक चिंतन और स्त्री लेखन के अंर्तसबंधों को समझेंगे।

इकाई **: 1प्राचीन काल और मध्यकाल में स्त्री की स्थिति और चिंतन की दिशाएँ** (11 घंटे)

- वैदिक और मिथकीय साहित्य में स्त्री
- परिवार संरचना का महत्व और स्त्री
- शिक्षा व्यवस्था में स्त्री जीवन
- एकल परिवार में स्त्री की स्थिति

इकाई **: 2** औपनिवेशिक दौर और **स्त्री चिंतन** (13 घंटे)

- बंगाल, महाराष्ट्र और हिंदी क्षेत्र का औपनिवेशिक स्त्री चिंतन
- यूरोपीय प्रभाव और स्त्री साहित्य
- सामाजिक क्रांति और स्त्री चिंतन की दिशाएँ
- आधुनिक परिवर्तन के रूप और साहित्यिक दृष्टि

इकाई **: 3 भारत का स्वतंत्रता संग्राम और स्त्री आंदोलन** (11 घंटे)

- स्वतंत्रता और स्त्री अधिकार
- भारत और यूरोप की आधुनिक महिला आंदोलनों का प्रभाव
- हिंदी का आरंभिक स्त्री चिंतन

इकाई **: 4 लोकतंत्र, स्त्री आंदोलन और स्त्री विमर्श**

(10घंटे)

- स्त्री के प्रति दार्शनिक दृष्टिकोण / स्त्री की सामाजिक स्थिति
- स्त्री आंदोलन और विमर्श की राजनीति
- लोकतंत्र में परिवार और स्त्री के विकास की चुनौतियाँ और दिशाएँ

सहायक ग्रंथ**:**

1. कपिला वात्स्यायन, मानव समाज, लोकभारती प्रकाशन, 2004
2. सांकृत्यायन,राहुल, वोल्गा से गंगा, किताब घर, 2018
3. एंगेल्स फ्रेडरिक, परिवार, राज्य और व्यक्तिगत जीवन का विकास, प्रकाशन संस्थान, 2014
4. शर्मा, ब्रह्मदेव, भारतीय समाज और यूरोपीय प्रभाव, हिंदी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, 1996
5. सिंह, सुधा, हिंदी का आरंभिक स्त्री-चिंतन, एकैडमिक प्रकाशन, दिल्ली, 2025

6. Eunice De Souza, Lindsay Pereira, *Women's Voices*, OUP India, 2002

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020

एम. ए. हिंदी

Structure 3 (Level 6.5) : Research
Semester II (For One Year PG)
Semester IV (For Two Year PG)

DSE 6:अनुवाद, जनसंचार एवं भाषाविज्ञान : शोध की संभावनाएं एवं समस्याएँ

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (if any)	Content of Course and reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSE 6 अनुवाद, जनसंचार एवं भाषाविज्ञान : शोध की संभावनाएं एवं समस्याएँ	4	3	1	0	स्नातक उत्तीर्ण	—

पाठ्यक्रम के उद्देश्य **(Course Objectives)**

➢ शोध-क्षेत्र के रूप में अनुवाद, जनसंचार और भाषाविज्ञान के विविध परिप्रेक्ष्य को उद्घाटित करना।

➢ अनुवाद, जनसंचार और भाषाविज्ञान में शोध की संभावनाओं को तलाशना।
➢ अनुवाद, जनसंचार और भाषाविज्ञान में शोध में आनेवाली समस्याओं से परिचित कराना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (**Course Learning Outcomes)**

➢ विद्यार्थी शोध-क्षेत्र के रूप में अनुवाद, जनसंचार और भाषाविज्ञान के विविध परिप्रेक्ष्य को उद्घाटित कर सकेंगे।
➢ अनुवाद, जनसंचार और भाषाविज्ञान में शोध की संभावनाओं की तलाश करेंगे।
➢ अनुवाद, जनसंचार और भाषाविज्ञान में शोध में आनेवाली समस्याओं से परिचित होंगे।

इकाई **1 :** अनुवाद, जनसंचार एवं भाषाविज्ञान **:** अवधारणा और स्वरूप **(10** घंटे**)**

- अनुवाद का अर्थ एवं स्वरूप
- जनसंचार की अवधारणा
- भाषाविज्ञान की संकल्पना एवं क्षेत्र

इकाई **2 :** शोध क्षेत्र के रूप में अनुवाद **(11** घंटे**)**

- भारत का बहुभाषिक संदर्भ और अनुवाद
- भाषिक प्रयुक्ति और अनुवाद
- वैज्ञानिक और तकनीकी शब्दावली का निर्माण और अनुप्रयोग
- अनुवाद का सांस्कृतिक संदर्भ

इकाई **3 :** जनसंचार में शोध का परिदृश्य **(11** घंटे**)**

- संचार शोध : अवधारणा, महत्व एवं प्रकार
- जनसंचार में शोध की विभिन्न दृष्टियाँ और शोध-प्रक्रिया
- जनसंचार में शोध के तकनीकी आयाम
- डिजिटल मीडिया : शोध की संभावनाएं एवं चुनौतियाँ

इकाई **4 :** भाषाविज्ञान में शोध का स्वरूप **(13** घंटे**)**

- भाषा एवं भाषाविज्ञान का अंतःसंबंध
- भाषाविज्ञान और व्याकरण का अंतःसंबंध
- संरचनावाद और आधुनिक भाषाविज्ञान
- साहित्य का भाषावैज्ञानिक अध्ययन

सहायक ग्रंथ :

1. श्रीवास्तव, रवीन्द्रनाथ.हिंदी भाषा का समाजशास्त्र. राधाकृष्ण प्रकाशन, 1994
2. तिवारी, भोलानाथ.आधुनिक भाषाविज्ञान. किताब महल, 1976
3. ब्लूमफील्ड, (लियोनार्ड ब्लूमफील्ड).भाषा *(Language)*. मूल संस्करण 1933
4. शर्मा, रामविलास.भाषा और समाज. राजकमल प्रकाशन, 1961/1977
5. शर्मा, रामविलास.ऐतिहासिक भाषाविज्ञान और हिंदी भाषा. राजकमल प्रकाशन, 1981
6. शर्मा, राजमणि.आधुनिक भाषाविज्ञान. वाणी प्रकाशन, 2003
7. कुमार, सुरेश.अनुवाद विज्ञान की रूपरेखा
8. टंडन, डॉ. पूरनचंद, और डॉ. हरीश सेठी.अनुवाद के विविध आयाम
9. चतुर्वेदी, जगदीश्वर.जनमाध्यम*:* प्रौद्योगिकी और विचारधारा.
10. सिंह, सुधा. डिजिटल युग में मास कल्चर और विज्ञापन*,* अनामिका पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स, दिल्ली
11. शर्मा*,* कुमुद *,* विज्ञापन की दुनिया*,* प्रभात प्रकाशन

राष्ट्रीयशिक्षानीति **2020**

एम. ए. हिंदी

Structure 3 (Level 6.5): Research

SemesterII (For One Year PG)

SemesterIV (For Two Year PG)

SBC : शोध लेखन के उपकरण (टूल)

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (if any)	Content of Course and reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
SBC शोध लेखन के उपकरण (टूल)	2	1	0	1	स्नातक उत्तीर्ण	—

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (**Course Objectives**):

- ➢ विद्यार्थियों को शोध के उपकरणों से परिचित कराना ।
- ➢ शोध लेखन के लिए आवश्यक तकनीक से अवगत कराना ।
- ➢ शोध संहिता से परिचय प्राप्त करना ।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम **(Course Learning Outcomes)**:

- ➢ विद्यार्थी शोध के उपकरणों से परिचित हो सकेंगे।
- ➢ शोध के लेखन के लिए आवश्यक तकनीक से अवगत होंगे।

➢ शोध संहिता से परिचय प्राप्त करेंगे।

➢ इकाई **1**: ग्रंथसूची संग्रह और संदर्भ उपकरण (Bibliographic Archives and Referencing Tools)

➢ गूगल विद्वान, JSTOR, प्रोजेक्ट MUSE

- इंटरनेट आर्काइव, भारत के अभिलेखागार, पुस्तकालयों के डिजिटल संग्रह
- Zoetrope, Mendelay, End Note

इकाई**2 :** पाठ विश्लेषण, लेखन, साइटेशन और प्लैज़रिज्म जाँच के टूल्स

.Voyant Tool, AntConc

. व्याकरणिक (Grammarly), माइक्रसॉफ्ट वर्ड, लैटेक्स

. एम एल ए हैंड बुक, और एपीओ

. Turnitin, iThenticate

सहायक ग्रंथ **:**

1. सिन्हा एवं स्नातक, सावित्री एवं विजयेन्द्र.अनुसंधान की प्रक्रिया,नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली, 1960.
2. शर्मा, विनयमोहन.शोध प्रविधि, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली, 1973.
3. सिंह, सरनाम.शोध प्रक्रिया एवं विवरणिका, आत्माराम एंड संस, नई दिल्ली, 1964.
4. त्रिपाठी, विनायक.शोध प्रविधि *:* अवधारणा एवं तकनीक, ओमेगा पब्लिकेशन, नई दिल्ली,2020.
5. गणेशन, एस. एन..अनुसंधान प्रविधि *:* सिद्धांत और प्रक्रिया, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश,2021.
6. सिंहल, बैजनाथ; शोध *:* स्वरूप एवं मानक व्यावहारिक कार्यविधि, वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 2023.
7. राजूरकर एवं बोरा, भ.ह., एवं राजमल (संपादक), हिंदी अनुसंधान का स्वरूप, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली,1978.
8. सूरती, डॉ. उर्वशी जे; अनुसंधान का व्यावहारिक स्वरूप, हिंदी ग्रंथ रत्नाकर, मुंबई, महाराष्ट्र, 1973.